AZIM PREMJI SCHOOL DHAMTARI (C.G.)

बाल अखबार

नवंबर–2013

शेर और लोमड़ी...

एक शेर और लोमड़ी थी। वह शेर रोज मांस की तलाश में जाता था। एक दिन उसे मांस नहीं मिला तो वह रोने लगा। कि आज मुझे मांस नहीं मिला तो दूसरे दिन जब शेर गुफा से बाहर आया तो उसे एक लोमड़ी को खाने के लिए दौड़ा और लोमड़ी कहीं पेड़ के पास छिप गई। शेर अपनी गुफा में चला गया।

मोहन साहू, कक्षा–तीसरी

मेरा दोस्त...

मेरे घर में खेल रहे थे, मेरे दोस्त के साथ। तब मेरे दोस्त ने पेड़ में सांप देखा तो मेरे को बताया। तब मैंनें भी देखा, मेरे जितने सारे दोस्त थे, उन्होनें भी देखे, तब मेरे मां–पापा ने देखे। तब सांप को मारने लगे। तो सांप भाग गया।

विनय सिन्हा, कक्षा–तीसरी

मेरा भैया...

मेरा भैया आता है, मुझे दूध पिलाता है।
सबके घर में जाता है, मुझे भी ले जाता है।

आरजू बारसे, कक्षा–पहली

लोमड़ी...

लोमड़ी प्यारी है, लेकिन कितनी न्यारी है।
वो पेड़ में चढ़ती है, वो जंगल में रहती है।।

हिमांशी ध्रुव, कक्षा–चौथी

सांप निकाला...

मैं और मेरे चाचा नहर में मछली पकड़ने गये थे। फिर हमने नहर में जाल डाला तो हमने जाल को निकाला तो उसमें सांप और मछली निकला। फिर सांप जाल से निकलने की कोशिश किया फिर सांप जाल में ही मर गया।

हिमांशी ध्रुव, कक्षा–चौथी

दीपि...

हमारे गांव में दीपि नाम की लड़की, उसके आंख को कमलेश ने लाठी से मार दिया। तो उसको दुखा। अस्पताल ले गये। तो पट्टी बांधे। रात को 10 बजे आए तो उसकी आंख में नहीं दिखता तो कमलेश को पैसा मांगा। तो कमलेश पैसे नहीं दिया। एक दिन अस्पताल से आया तो दीपि अंदर जा रही थी। नाली के पास गिर गई तो उसके पैर टूट गया, तो डाक्टर बुलाया तो, डाक्टर ने पट्टी बांधी तो उसको दवाई दी। तो दीपि रोज दवाई खाई, तो उसके पैर ठीक हो गया, तो वह चलती है, तो उसकी आंख भी ठीक हो गई। अब उसकी आंख से दिखता है।

होमेश्वरी सिन्हा, कक्षा–चौथी

प्यारी मां...

मां प्यारी–प्यारी है, लेकिन न्यारी–न्यारी है।
वो घर में रहती है, कितना काम करती है।।

देविका नेताम, कक्षा–चौथी

बाल अखबार

नवंबर–2013

नाम क्या है?

एक गांव में 6 लड़की और 7 लड़के रहते थे। तीन लड़के को पढ़ना नहीं आता था। बाकी लड़की और लड़के ने डिस्कस करे। एक लड़की बोली चलो हम सब स्कूल जाते है, और सब बच्चे स्कूल जा रहे थे तो एक लड़की, स्कूल जा रही थी, एक लड़के ने पूछा आप हमारे दोस्त बनोगे। तो लड़की बोली ठीक है। आप बोलते हो तो दोस्त बन जाती हूं। सब बच्चे स्कूल चले गए। गुरू जी ने पूछे–आप सब को नाम क्या है। एक लड़का बोला–हम सब एक–एक कर बताऐंगें, और सब बच्चे ने अपना–अपना नाम बता दिए।

हिमांशु सिन्हा, कक्षा–चौथी

?? बच्चों के प्रश्न ??

1. नक्सली हम लोगों को क्यों मारते हैं?
2. हम चांद के पास क्यों नहीं जा सकते?
3. बादल क्यों गरजते हैं?
4. बिजली क्यों चमकती है?
5. जन्मदिन क्यों मनाते हैं?
6. फरवरी में 28 दिन क्यों होते हैं?
7. घर में खाना मम्मी ही क्यों बनाती है?
8. भगवान यहां क्यों नहीं है?
9. दोस्त कैसे बनते हैं?

तालाब...

तालाब अच्छा लगता है
क्योंकि उसमें नहाते हैं
और कई लोग बर्तन
मांझते है और कई लोग
सफाई करते हैं और कई
लोग कचरा नहीं फेंकते।

पूर्णिमा यादव, कक्षा–चौथी

बदमाश लड़का...

मैं घटारानी गई थी तो एक बच्चा बहुत रो रहा था और उसके मम्मी–पापा छोड़कर घूमने चले गये थे तो उस बच्चे को एक लड़का मारकर ले जा रहा था। तो डराया, जल्दी से फोन लग गया तो पुलिस आ गई और उस बदमाश लड़के को पकड़कर ले गए, फिर उस लड़के को एक लड़की वहीं पर थी, पकड़कर ले गई। तो उसको बहुत मार रही थी।

पूर्णिमा यादव, कक्षा–चौथी

दशहरा...

हमारे गांव में दशहरा हुआ तो एक आदमी दुर्गा मंच के पास आकर सोने लगा। फिर उस आदमी को उसके घर ले गये तो वह आदमी फिर लौटकर आ गया। सोचो वह फिर क्यों आ गया।

देविका नेताम, कक्षा–चौथी

कविता

शेर खाता कच्चा
भूख लगा अच्छा।
शेर को गुस्सा
उसने खाया सस्सा।।

गगन यादव, कक्षा–चौथी

बाल अखबार

नवंबर–2013

तीन विद्यार्थी...

एक गांव में तीन विद्यार्थी रहते थे और तीनों विद्याार्थी स्कूल के थे। एक दिन तीनों विद्यार्थी एक घर पर पढ़ रहे थे और तीनों विद्यार्थी जाते–जाते शिक्षक के पास गए तो तीनों विद्यार्थियों ने पूछा– आप हम तीनों को पढ़ाओगे। शिक्षक बोले–क्यों नहीं, मैं तो तुम सभी को पढ़ाउंगा। वो तीनों विद्यार्थी बोले मैं आपके पास पढ़ने आउंगा, शिक्षक बोले–ठीक है।

हिमांशु सिन्हा, कक्षा–चौथी

चोट लगी...

एक दिन मेरी दीदी सायकल में मेरे भाभी के बेटे को बैठा कर सायकल चला रही थी और दीदी सायकल से गिर गई। मेरी भाभी के बेटे के पैर में चोट लग गई और पैर से खून बहने लगा। मेरी दीदी उसे घर लाई, मेरी भाभी उसे डॉक्टर के पास ले गई। भाभी अपने बेटे को घर लाई। उसका बेटा को लगा, ठीक नहीं हुआ, तब तक वो स्कूल नहीं गया।

कोकिला देवांगन, कक्षा–तीसरी

शेर...

एक शेर था। एक गीदड़ था। एक दिन शेर गीदड़ की गुफा में गया। शेर मांस खाने गया। गुफा में गीदड़ गया तो दरवाजा में खोज की वजह से गीदड़ नहीं गया।

अन्नपूर्णा, कक्षा–चौथी

गाय...

रास्ते में एक गाय मिला। एक आदमी उसके पास गया। तो गाय ने उसको पछाड़कर गिरा दिया।

मनीष सिन्हा, कक्षा–तीसरी

रावन मारा...

हमारे गांव में रावन मरा तो बहुत बच्चे लोग रावन मारे। फिर मस्ती की। वहीं लोग दूसरे रावन मारे तो सब लोग बाद में आ गए।

उत्तम ध्रुव, कक्षा–तीसरी

मेरा घर...

मेरा घर खेमचंद के घर के इधर है। मेरा घर के सामने एक हाथ से शिव मंदिर है जो बहुत ही सुंदर है जिसमें शाम को कार्यक्रम होता है।

माया यादव, कक्षा–तीसरी

चीता...

चीता ने शेर को मारा। शेर ने उसको कुदाया तब भी चीता नहीं पकड़ाया और तेजी से भागने लगा।

चेतन ध्रुव, कक्षा–तीसरी

!! कविता !!

वो जंगल में रहता है
कितना सुंदर दिखता है।
मांस–बांस फिर खाता है
कितना मोटा दिखता है।।

देविका नेताम, कक्षा–चौथी

लड़का...

एक लड़का आता है,
बैग लाता है।
खाना खाता है,
स्कूल जाता है।।

आर्यन बारसे, कक्षा–पहली

बाल अखबार

नवंबर–2013